Dainik Bhaskar
In the absence of Education and Training there will be no disaster for the Young Country
Oct 4, 2018 | Jaipur | Pg No.: 19 | Pg No.: 19 | Top Center | Bureau | Sq Cm: 406 | AVE: 497116 | PR Value: 2485580

अवॉर्ड सेरेमनी : भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी को किया जेकेएलयू लॉरेट अवॉर्ड से सम्मानित, इस मौके पर वे बोले इस ऊर्जावान पीढ़ी से देश को तभी फायदा होगा जब उनके लिए उपयुक्त माहौल होगा।

शिक्षा और प्रशिक्षण के अभाव में युवा देश के लिए कहीं आपदा न बन जाएं

जेकेएलयू लॉरेट अवॉर्ड से सम्मानित होते प्रणब मुखर्जी और सेरेमनी में मौजूद सम्मानित हस्तियां।

सिटी रिपोर्टर ■ जयपुर

भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी बुधवार को महापुरा स्थित जेके लक्ष्मीपत यूनिवर्सिटी में आयोजित अवॉर्ड सेरेमनी में शामिल हुए। इस मौके पर उन्हें यूनिवर्सिटी द्वारा जेकेएलयू लॉरेट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस दौरान जेकेएलयू के चांसलर भारत हरि सिंघानिया व वाइस चांसलर डॉ. आरएल रैना भी मौजूद रहे। 'यूथ एंड नेशन बिल्डिंग' विषय बोलते हुए मुखर्जी ने कहा कि आज युवाओं के चमकते चेहरों से मुझे एक पॉजीटिव एनर्जी मिल रही है। युवा अपने उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर है क्योंकि आने वाला समय युवाओं का है। ये दुनिया इन से है, इन्हें हमेशा विजय हासिल करने के लिए तैयार रहना होगा।

मजबूत पक्ष : भारत सबसे युवा, यहां पर 65 प्रतिशत लोग 35 साल तक के हैं

भारत आज 125 करोड़ जनसंख्या के साथ दुनिया का सबसे युवा देश है। तीन साल बाद यह 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 साल से अधिक की और 5 प्रतिशत आबादी 25 साल की हो जाएगी। इस ऊर्जावान पीढ़ी से देश को तभी फायदा होगा जब उनके लिए उपयुक्त शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त करने का मौका हो। वरना यह जनसंख्या आपदा में बदल सकती है। वहीं राजनीति पर बोलते हुए कहा कि व्यक्ति ही विकास का केंद्र बिंदु है और भारतीय सभ्यता की जड़ें बेहद मजबूत हैं, अपने सहभागी इतिहास की वजह से भविष्य के नेताओं में इतनी क्षमता और मजबूती है कि वे अपने देश को और सशक्त बना सकें।

निडरता : अमेरिका जैसे बड़े देशों के एतराज के बाद भी किया न्यूक्लियर वेपन का टेस्ट

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में जब न्यूक्लियर वेपन का टेस्ट किया गया था, तब अमेरिका और यूरोप जैसे बड़े देशों ने एतराज जताया था। उनके एतराज के बावजूद भारत ने सफल न्यूक्लियर वेपन का दो बार अंडरग्राउंड परीक्षण किया। जबकि भारत का कोई दुश्मन नहीं था, लेकिन भारत का न्यूक्लियर वेपन सफल होना जरूरी था। इस दौरान भारत ने यह घोषणा की थी कि भारत कभी नॉन - न्यूक्लियर पावर वाले देशों पर न्यूक्लियर वेपन का इस्तेमाल नहीं करेगा। आज भी इस बात पर कायम हैं और कभी इसके इस्तेमाल की बात भी नहीं करता। जबकि कई देश आए दिन इससे परे बातें करते हैं।

खासियत : भारत ऐसा राष्ट्र जिसे ट्रीटी ऑफ वेस्टफालिया से नहीं कर सकते परिभाषित

मुखर्जी ने महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, पंडित जवाहर लाल नेहरु और रवींद्रनाथ टैगोर के विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत को लोगों के एक ऐसे समूह के रूप में देखा जहां 120 अलग - अलग भाषाएं और 1600 बोलियां बोली जाती है। 7 प्रमुख धर्मों को भी माना जाता है। अगर इतिहास की ओर झांककर देखा जाए तो किस प्रकार से लोग अलग-अलग जगहों से आकर यहां एक-दूसरे के साथ जुड़ गए हैं। भारत जैसे एक देश के लिए राष्ट्र की परिभाषा संकीर्ण नहीं हो सकती है। इसे राष्ट्र के यूरोपियन क्लासिफिकेशन में नहीं ढूंढा जा सकता है, जिसका उदय 1648 में ट्रीटी ऑफ वेस्टफालिया से हुआ और जिसकी वजह से यूरोप के धार्मिक युद्ध का अंत हुआ। बल्कि इसका सार सबसे बेहतरीन ढंग से एक वाक्य 'वसुधैव कुटुम्बकम' के जरिए पेश किया जा सकता है।